



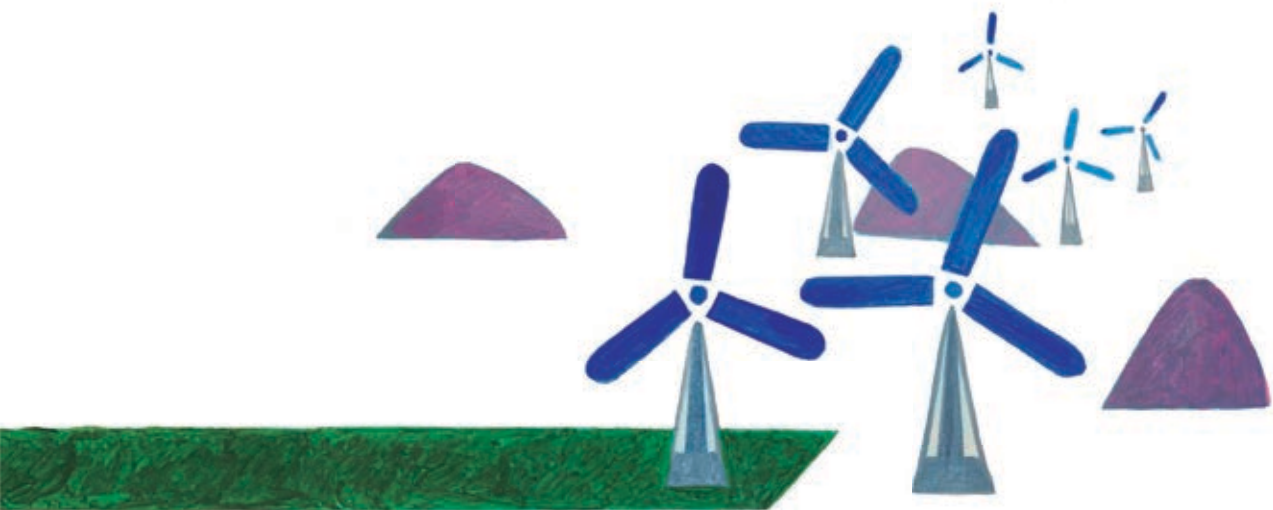
एकलव्य

छड़ी

The
Walking Stick

BV Suresh
बी वी सुरेश





The Walking Stick

छड़ी

BV Suresh

बी वी सुरेश



एकलव्य













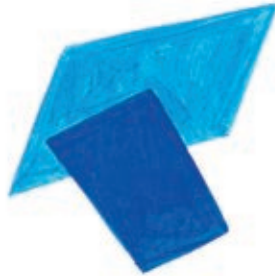
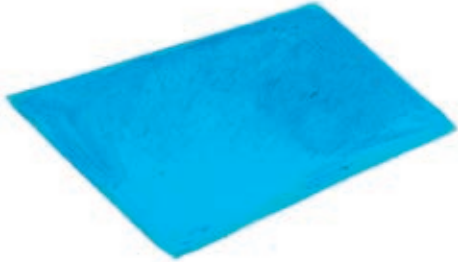






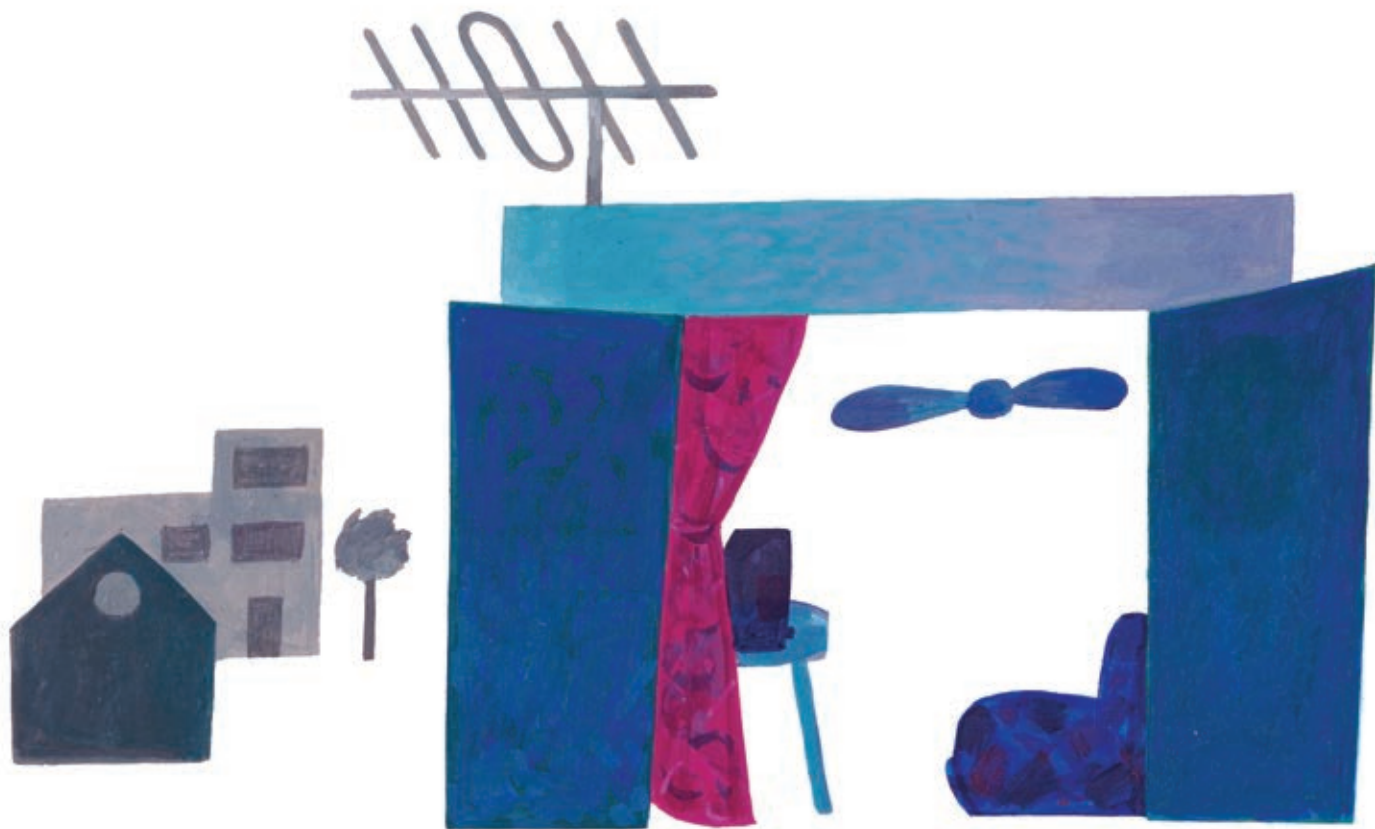














छड़ी

मेरी बेटी आस्माँ के लिए

- बी वी सुरेश

The
Walking Stick

For my daughter Aasma

- BV Suresh

संकल्पना और चित्र:
बी वी सुरेश

Concept & Art work:
BV Suresh

© चित्र: बी वी सुरेश

© Artwork: BV Suresh

संस्करण: मार्च 2015 / 3000 प्रतियाँ

पहला पुनर्मुद्रण: जुलाई 2018 / 3000 प्रतियाँ

दूसरा पुनर्मुद्रण: सितम्बर 2021 / 3000 प्रतियाँ

तीसरा पुनर्मुद्रण: मई 2023 / 4000 प्रतियाँ

चौथा पुनर्मुद्रण: जुलाई 2024 / 3000 प्रतियाँ

कागज़: 100 gsm मैट आर्ट और 220 gsm पेपर बोर्ड (कवर)

पराग इनिशिएटिव, टाटा ट्रस्ट, मुम्बई के वित्तीय सहयोग से विकसित

ISBN: 978-93-81337-63-9

मूल्य: ₹ 65.00

प्रकाशक: एकलव्य फाउंडेशन

जमनालाल बजाज परिसर

फॉर्च्यून कस्तूरी के पास, जाटखेड़ी,

भोपाल - 462 026 (मप्र)

फोन: +91 755 - 297 7770, 71, 72

www.eklavya.in / books@eklavya.in

मुद्रक: आर के सिक्युप्रिंट प्रा लि, भोपाल फोन: +91 755 2687 589



बी वी सुरेश

सुरेश बड़ोदा स्थित महाराजा सायाजीराव विश्वविद्यालय के फाइन आर्ट्स विभाग में कला शिक्षक हैं। एक चित्रकार के रूप में वे समकालीन दृश्य माध्यमों के साथ लगातार संवाद करते रहे हैं। उनका काम बहु-यथार्थों, इतिहास के सवाल और वृत्तान्तों की मदद से यथार्थवाद के मुद्दों पर टिप्पणी करता नज़र आता है। कॉमिक्स, होर्डिंग, अखबार, टेलिविज़न, फिल्म और विज्ञापनों जैसे विविध स्रोतों के बिम्ब उनके काम का हिस्सा बनते हैं - ऐसे बिम्ब जो अधिकांश लोगों के रोज़मर्रा के दृश्य अनुभवों का भाग होते हैं।

कलाकार की ओर से...

इस किताब के चित्र मैंने 1988 में बनाए थे, एक ऐसी किताब के इरादे से जिसमें केवल चित्र हों, कोई शब्द न हों। इसके चित्र मेरे बचपन की काल्पनिक उड़ानों और लोकप्रिय बिम्बों की पुनर्रचना के खेल से बने हैं।

मैं अपनी प्रिय दोस्त कनक को शुक्रिया कहना चाहूँगा जिसने इस किताब के प्रकाशन में अपनी रुचि और लगन लगातार बनाए रखी।

BV Suresh

Suresh is an art teacher at the Fine Arts Department, M.S. University, Baroda. He is also a practicing artist who is continuously negotiating the visual fields of the contemporary. His work is a take on the issues of realism where he employs multiple realisms, questions of history and narration. He represents a range of images from diverse sources including comic books, hoardings, newspapers, television, films, advertisements; the images that constitute everyday visual experience of many people.

Artist's Note

I illustrated this book in 1988, intending it to be purely pictorial, without any words. It was a play of imageries from my childhood imaginations and reconstructions of popular imageries.

I would like to thank my dear friend, Kanak for her keen interest and perseverance to get this book published.





छड़ी

छड़ी के साथ बादलों की सैर। देखना आसमान से नीचे, घरों को, पेड़ों को और नजारों को। यह सपना है या वाकई हुआ है। यही तो राज है।

कुछ बातें बड़ों के लिए

यह किताब खास तौर से उन बच्चों के लिए है जो अभी लिपि से वाकिफ नहीं हैं। ताकि वे चित्रों को देख-पढ़कर किताब का मज़ा उठा सकें। चित्रों से बुनी इस किताब से बच्चे अपनी खुद की कहानी गढ़ सकते हैं और अपनी कल्पनाशीलता को नया आयाम दे सकते हैं।

The Walking Stick

Up on the clouds with a walking stick. Peering down at the tiny houses and trees...
Is this real or is it a dream?

A few words for grown-ups

This picture-book is meant for children who have not yet been introduced to the written word. They will enjoy the book by reading the images and creating their own imaginative stories. Wordless picture-books are the first baby-steps towards life-long love for books.

मूल्य: ₹ 65.00

